मैथिली(प्रतिष्ठा)
बी॰ए॰ (H) पार्ट-02

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक- 19.10.2020

प्रकरण- वर्णरत्नाकर

वर्णरत्नाकरमे वर्ण शब्दक प्रयोग कोन अर्थमे कयल गेल अछि। सुनीतिबाबू अनुसारे- वर्ण शब्दक अर्थ वर्णन तँ नहि होइत अछि। हेमचन्द्र, हलायुध, मल्लिनाथ अनुसारेँ वर्ण शब्दक अर्थ गीतक्रम- गीतक वा कविताक रचनाक्रम थिक। मुदा वर्णरत्नाकर स्वयं कोनो काव्य कृति नहि थिक। मुदा काव्य रचनाक लेल उपयोगी सामग्रीक संकलन थिक।

वर्णरत्नाकरक उद्देश्य अछि वस्तुसभक वर्णन करब आ एहि वर्णनकेँ सूची क्रममे विन्यासपूर्वक प्रस्तुत करब।

विद्वान लोकनिक उद्देश्य जे रहल हो, किन्तु सभक मत अछि जे वर्णरत्नाकरमे तत्कालीन जनजीवनक सामाजिक ओ सांस्कृतिक पक्षक अद्भुत वर्णन अछि।
जार्ज ग्रियर्सन वर्णरत्नाकरकेँ तुलना बिहार पीजेँट लाइफसँ केने छथि।